Date	24 and 25 June 26
Publication	Dainik Bhaskar
Spokesperson	G Ramesh, MD & CEO

दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
24 Jun 2026 - DAINIK BHASKAR NOIDA 24 JUNE 202615

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने आर्थिक आरोग्यम केंद्र पहल की शुरूआत की

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। **जी. रमेश, एमडी और सीईओ, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया** एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के माइक्रो और नैनो उद्यमों के लिए मौजूद प्रणालीगत अंतर को पाटने के उद्देश्य से ह्यआर्थिक आरोग्यम केंद्रह्न पहल की शुरूआत की। यह पहल उन महत्वपूर्ण सूक्ष्म इकाइयों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में मदद करती है, जो अब तक अक्सर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत रही हैं। इसके तहत वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और सुव्यवस्थित रिकॉर्ड-कीपिंग को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे वास्तविक आर्थिक समावेशन को बढ़ावा मिल सके। लॉन्च के बाद से इस कार्यक्रम ने 2 राज्यों के 8 शहरों में 245 से अधिक कार्यशालाओं के माध्यम से 12,000 से अधिक उद्यमियों को जागरूक और समर्थित किया है।

इस कार्यक्रम ने डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने में मदद की है तथा उद्यमियों को उद्यम और जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान की है।

चूंकि विश्व एमएसएमई दिवस औपचारिककरण के महत्व को रेखांकित करता है, कार्यक्रम के माध्यम से कितने प्रतिशत प्रतिभागी उद्यमों ने पंजीकरण प्राप्त किया है, ऋण तक पहुंच बनाई है या डिजिटल वित्तीय प्रथाओं को अपनाया है? : आर्थिक आरोग्यम केंद्र का एक प्रमुख फोकस औपचारिककरण है। कार्यक्रम के ढांचे के तहत लक्ष्य है कि कम से कम 50% प्रतिभागी एमएसएमई को औपचारिक वित्तीय प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए, जिसमें उद्यम पंजीकरण प्राप्त करना, सुलभ ऋण तक पहुंच बनाना और अपने संचालन में डिजिटल भुगतान प्रणालियों का एकीकरण शामिल है।

कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से ऐसे कौन-से सबसे प्रभावशाली सफलता के उदाहरण हैं जो एमएसएमई को मजबूत बनाने में इसके योगदान को दर्शाते हैं? : आर्थिक आरोग्यम केंद्र की एक प्रमुख उपलब्धि यह रही है कि इसने माइक्रो और नैनो उद्यमियों को क्रेडिट-योग्य बनने में सहायता की है।

दैनिक भास्कर
epaper.dainikbhaskarup.com
25 Jun 2026 - DAINIK BHASKAR NOIDA 25 JUNE 202615

एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने आर्थिक आरोग्यम केंद्र पहल की शुरूआत की

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली। जी. रमेश, एमडी और सीईओ, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज ने भारत के माइक्रो और नैनो उद्यमों के लिए मौजूद प्रणालीगत अंतर को पाटने के उद्देश्य से 'आर्थिक आरोग्यम केंद्र' पहल की शुरूआत की। यह पहल उन महत्वपूर्ण सूक्ष्म इकाइयों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में मदद करती है, जो अब तक अक्सर असंगठित क्षेत्र में कार्यरत रही हैं। इसके तहत वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने और सुव्यवस्थित रिकॉर्ड-कीपिंग को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे वास्तविक आर्थिक समावेशन को बढ़ावा मिल सके। लॉन्च के बाद से इस कार्यक्रम ने 2 राज्यों के 8 शहरों में 245 से अधिक कार्यशालाओं के माध्यम से 12,000 से अधिक उद्यमियों को जागरूक और समर्थित किया है। इस कार्यक्रम ने डिजिटल भुगतान प्रणालियों को अपनाने में मदद की है तथा उद्यमियों को उद्यम और जीएसटी पंजीकरण प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान की है। चूंकि विश्व एमएसएमई दिवस औपचारिककरण के महत्व को रेखांकित करता है, कार्यक्रम के माध्यम से कितने प्रतिशत प्रतिभागी उद्यमों ने पंजीकरण प्राप्त किया है, ऋण तक पहुंच बनाई है या डिजिटल वित्तीय प्रथाओं को अपनाया है? : आर्थिक आरोग्यम केंद्र का एक प्रमुख फोकस औपचारिककरण है। कार्यक्रम के ढांचे के तहत लक्ष्य है कि कम से कम 50% प्रतिभागी एमएसएमई को औपचारिक वित्तीय प्रक्रियाओं में शामिल किया जाए, जिसमें उद्यम पंजीकरण प्राप्त करना, सुलभ ऋण तक पहुंच बनाना और अपने संचालन में डिजिटल भुगतान प्रणालियों का एकीकरण शामिल है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम में कक्षा-आधारित प्रशिक्षण के साथ-साथ जमीनी स्तर पर सहायता प्रदान की जाती है, ताकि उद्यमियों को इसे लागू करने में मदद मिल सके। कार्यक्रम की शुरूआत के बाद से ऐसे कौन-से सबसे प्रभावशाली सफलता के उदाहरण हैं जो एमएसएमई को मजबूत बनाने में इसके योगदान को दशार्ते हैं? : आर्थिक आरोग्यम केंद्र की एक प्रमुख उपलब्धि यह रही है कि इसने माइक्रो और नैनो उद्यमियों को क्रेडिट-योग्य बनने में सहायता की है। कई छोटे व्यवसाय अनौपचारिक रूप से कार्य करते हैं और उनके पास वित्तीय रिकॉर्ड, डिजिटल भुगतान अपनाने या उद्यम एवं जीएसटी पंजीकरण जैसी आवश्यक औपचारिकताएँ नहीं होतीं, जिससे उन्हें औपचारिक वित्त तक पहुंच सीमित हो जाती है। यह कार्यक्रम उद्यमियों को आवश्यक दस्तावेजीकरण और वित्तीय अनुशासन विकसित करने में सक्षम बनाता है, जिससे वे सस्ते और सुलभ औपचारिक ऋण के पात्र बन सकें। उदाहरण के तौर पर, एक छोटे फूड व्यवसाय के मालिक को व्यवसाय दस्तावेज, वित्तीय प्रबंधन और औपचारिककरण में सहायता प्रदान की गई। क्रेडिट-योग्य बनने के बाद उन्होंने अपने कार्यशील पूंजी को मजबूत करने के लिए व्यवसाय ऋण प्राप्त किया, साथ ही अपने ग्राहक आधार का विस्तार किया और समग्र व्यवसाय प्रदर्शन में सुधार किया। विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर, आर्थिक आरोग्यम केंद्र के विस्तार और इसे ईस्ट दिल्ली से आगे ले जाने की क्या योजनाएँ हैं? : अब तक प्राप्त सकारात्मक प्रतिक्रिया और प्रभाव को देखते हुए, हम सक्रिय रूप से आर्थिक आरोग्यम केंद्र का विस्तार ईस्ट दिल्ली से बाहर करने और प्रमुख एमएसएमई क्लस्टर्स में इसकी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इस रणनीति में वित्तीय साक्षरता, व्यवसाय औपचारिककरण, डिजिटल अपनाने और सरकारी योजनाओं तक पहुंच को सामुदायिक आउटरीच, तकनीक-सक्षम लर्निंग और मेंटरिंग के माध्यम से बढ़ाना शामिल है। उद्देश्य यह है कि इस मॉडल को अन्य उच्च एमएसएमई क्षेत्रों और व्यापारिक केंद्रों में दोहराया जाए, ताकि उन उद्यमियों को वित्तीय मार्गदर्शन और औपचारिककरण सहायता प्रदान की जा सके जो अभी भी मुख्यधारा की वित्तीय प्रणाली से बाहर कार्य कर रहे हैं।